एपीजे कालेज के शिक्षकों ने कोविड-19 में शिक्षा के क्षेत्र में रचा इतिहास : सुषमा बर्लिया

जालंधर, 4 सितंबर (रोहित सिद्धू): एपीजे कालेज ऑफ फाइन आर्ट्स के प्राध्यापकों ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर एपीजे एजुकेशन सोसायटी की अध्यक्ष सुषमा पॉल बर्लिया से कोविड-19 की स्थिति में शिक्षण के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए सराहना प्राप्त की। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर एपीजे सत्या ग्रुप के सभी शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि एपीजे शिक्षण संस्थानों से जुड़े सभी शिक्षकों ने कोविड-19 की भयावह स्थिति में वर्चुअल शिक्षण के माध्यम से जिस तरफ से स्टूडेंट्स के साथ जुड़कर उनके व्यक्तित्व का निर्माण करते हुए उन्हें शिक्षा के साथ भी जोड़े रखा है। इस तरह से टीचर्स ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में इतिहास रचा है बल्कि स्टूडेंट्स को उनके अंतर्मन में निहित संभावनाओं की तलाश करते हुए गुरु की भूमिका भी निभाई है।

शिक्षक दिवस के मौके पर सुषमा बर्लिया, निशांत बर्लिया, आदित्य बर्लिया और नेहा बर्लिया।

उन्होंने कहा कि एपीजे एजुकेशन सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष डा. सत्य पॉल भी महान शिक्षक थे। जिन्होंने जिंदगी से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें हमें सिखाई कि दृढ़ निश्चय, समर्पण व कड़ी मेहनत से हम जीवन में आने वाले सभी चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ सकते हैं। सुषमा पॉल बर्लिया ने कहा कि कोविड की स्थिति ने चाहे हमें घर के अंदर बंद कर दिया है। पर सभी लोगों ने दिल और दिमाग के साथ सकारात्मकता को अपनाए रखते हुए इस चुनौती का साहस से सामना किया है।

इस मौके पर निशांत बर्लिया ने अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि कोविड-19 की स्थिति को जिस तरह से एपीजे एजुकेशन सोसायटी से जुड़े शिक्षकगण ने मैनेज किया है। वह न केवल प्रशंसनीय है बल्कि दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत भी है। आदित्य बर्लिया ने कहा कि ऑनलाइन टीचिंग के दौरान सभी ने एकजुटता के साथ कार्य करते हुए सभी को जीवन में संकट के समय नैतिक मूल्यों के महत्व से परिचित कराया है। नेहा बर्लिया ने कहा कि स्कूल कालेज और यूनिवर्सिटी में टीचर्स के साथ जुड़कर एकतरफ तो आपको भावनात्मक संबल मिलता है। दूसरी तरफ स्कूल कालेज के अनुभव जो आपको जिंदगी का पाठ पढ़ाते हैं, वह कहीं और संभव नहीं है। कालेज की प्रिंसीपल डा. सुचरिता शर्मा ने इस मौके पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि एपीजे एजुकेशन सोसायटी के निर्देश से ही हम सभी इस स्थिति को साहसपूर्ण सामना करने में सफल हो सके हैं।